इंदौर विकास प्राधिकरण

पहली झांकी में पहलगाम हमले के बाद भारतीय सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर का शौर्य इंदौर विकास प्राधिकरण की दर्शाया गया है . इसमें मिसाइल और ड्रोन दर्शाए गए हैं . वहीं राफेल और इंडिया गेट दर्शाया गया है । साथ ही इंदौर विकास प्राधिकरण की योजनाओं को भी दर्शाया गया है . दूसरी झांकी में श्रीमद् भागवत पुराण का वह प्रसंग, जिसमें हाथीरूपी राजा गजेंद्र को एक तालाब में मगरमच्छ पकड़ लेता है और गजेंद्र भगवान विष्णु का आह्वान करते हैं . भगवान विष्णु गरुड़ पर सवार होकर अपने सुदर्शन चक्र से मगरमच्छ का वध कर देते हैं . तीसरी झांकी महिषासुर मर्दिनी पर आधारित है . इसमें महिषासुर नामक राक्षस के अत्याचारों से पृथ्वी और देवताओं को बचाने के लिए देवी दुर्गा वितरित हुईं और अपने प्रचंड तेज से प्रकट होकर महिषासुर का वध किया . झांकी कलाकार – स्वाति दीपक लवंगड़े

खजराना गणेश मंदिर

खजराना गणेश मंदिर समिति द्वारा दो झांकियों का निर्माण किया गया है. पहली झांकी आत्मनिर्भर भारत पर आधारित है, जिसमें भगवान गणेश ऑपरेशन सिंदूर के तहत आशीर्वाद दे रहे हैं. उनके मूषक लड़ाकू विमान उड़ाते हुए दिख रहे हैं. दूसरी झांकी में भगवान गणेश नौका विहार कर रहे हैं और आशीर्वाद दे रहे हैं. नाव को कलाकारों ने काफी आकर्षक बनाया है. **झांकी कलाकार**– सोमिल कोठारी.

इंदौर नगर निगम

नगर निगम द्वारा चार झांकियों का निर्माण किया गया है . निगम की पहली झांकी डिजिटल झांकी है, जिसमें शहर में हो रहे विकास कार्य एवं प्रस्तावित योजना की जानकारी दी गई है . दूसरी झांकी स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को लेकर है जो कि भारत के प्रधानमंत्री द्वारा पूरे देश में बढ़ रहे डायबिटीज एवं मोटापे के पीड़ित अभियान को लेकर बनाई गई हैं . दूसरे भाग में इससे बचने के उपाय बताए गए हैं . तीसरी झांकीऑपरेशन सिंदूर पर बनी है , जिसमें पहले भाग में भारतमाता शेर पर विराजित दिखाई गई हैं . दूसरे भाग में सैनिकों को भारत की रक्षा करते हुए दर्शाया गया है . तीसरे भाग में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ब्रह्मोस मिसाइल को चलाते हुए दर्शाया गया है . चौथी झांकी भगवान गणेश के विवाह पर आधारित है, जिसके प्रथम भाग में भगवान कार्तिकेय पृथ्वी की परिक्रमा करते हुए बताए हैं . दूसरे भाग में भगवान गणेश को शिव पार्वती की परिक्रमा करते हुए दिखाया गया है .

झांकियों में दिखेगा सेना का शौर्य, पौराणिक कथाएं

इंदौर. शहर की गौरवशाली परंपरा का प्रतीक अनंत चतुर्दशी चल समारोह शनिवार को निकलेगा. लगभग 30 झांकियों की रोशनी से शहर रोशन हो उठेगा. हजारों बल्बों की रोशनी से रोशन झिलमिलाती झांकियों के कारवां को देखने हजारों की संख्या में लोग जुटेंगे. झांकियों में जहां पौराणिक कथाओं के प्रसंद दिखेंगे वहीं सेना के शौर्य को भी दिखाया गया है. बच्चों को आकर्षित करने के लिए हाथी और मदारी की झांकियां बनाई गई है. नगर निगम की योजनाएं और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश भी दिखेंगा. 6 मिले के साथ नगर निगम, आईडीए व अन्य संस्थाओं ने झांकियों का निर्माण किया है. समाज में भले ही आधुनिकता आ गई हो और मनोरंजन के तमाम साधव हो बावजूद इसके झांकी कलाकारों और शहरवासियों में परंपरा का उत्साह कायम है.

हुकमचंद मिल

मिल की झांकियों का यह 102वां वर्ष है . कलाकारों द्वारा इस वर्ष तीन झांकियों का निर्माण किया गया है . पहली झांकी नरकासुर वध पर आधारित है . दूसरी झॉंकी भगवान विष्णु के चौथे अवतार नृसिंह भगवान से जुड़ी हुई है . इसमें भगवान नृसिंह खंभे से प्रकट होते हैं और हिरण्यकश्यप का वध करते हैं . तीसरी झांकी में राधा और मीरा का भगवान कृष्ण के प्रति अटूट प्रेम दिखाया गया है . इसमें वृंदावन और राजघराने का दृश्य फिल्माया गया है . समिति अध्यक्ष है किशनलाल बोकरे व प्रधानमंत्री नरेंद्र श्रीवंश झांकी, कलाकार हैं स्वाति दीपक लवंगड़े .

स्वदेशी मिल

मिल की झांकियों का यह 96वां वर्ष है . इस वर्ष तीन झांकियों का निर्माण किया है . पहली झांकी मां देवी अहिल्या पर आधारित है . इसमें पालकी यात्रा दिखाई गई है और उनके व्यक्तित्व को भी दिखाया है . राजबाड़ा की प्रतिकृति भी दिखेगी . दूसरी झांकी समाज में फैल रहे नशे पर आधारित है . नशे को दूर करने का संदेश इस झांकी में दिया गया है . तीसरी झांकी में शिवजी को अर्धनारीश्वर रूप में दिखाया गया है . इसमें भक्त और साधु संत शिव आराधना करते दिखाई दे रहे हैं . समिति अध्यक्ष हैं कन्हैयालाल मरमट . कलाकार हैं ओमप्रकाश कुशवाह .

राजकुमार मिल

मिल की झांकियों का यह 91वां वर्ष है . इस वर्ष दो झांकियों का निर्माण किया गया है . पहली झांकी हाथी पर आधारित है . बच्चों को लुभाने के लिए यह बनाई है . इसमें एक मोटा हाथी घूमने चला ... कविता सुनाई देगी . बच्चों को ये कविता बहुत अच्छी लगती है . इसी थीम को पहली झांकी में सजाया गया है . दूसरी झांकी धार्मिक बनाई गई है, जिसमें हनुमानजी हवा में उड़ते हुए लंका दहन कर रहे हैं . यहां अशोक वाटिका में सीता मैया को बैठे हुए दिखाया गया है .

कल्याण मिल

मिल की झांकियों का यह 96वां वर्ष है . मिल की पहली झांकी धार्मिक है, जिसमें भगवान कार्तिक का जन्म बताया गया है . दूसरी झांकी सेना को समर्पित है, जिसमें सेना का शौर्य दिखाते हुए सबसे शक्तिशाली मिसाइल अग्नि को दिखाया है . इसका वर्णन झांकी में किया गया है . तीसरी झांकी धार्मिक है, जिसमें महाभारत का दृश्य दिखाया गया है . इसमें अभिमन्यु को चक्रव्यूह में फंसाकर घेरकर उनसे युद्ध बताया गया है . समिति अध्यक्ष हरनामसिंह धारीवाल और प्रधानमंत्री देवेंद्रसिंह सेंगर .

मालवा मिल

मिल की झांकियों का यह 91वां वर्ष है . इस वर्ष तीन झांकियों का निर्माण किया गया है . एक झांकी बच्चों के लिए बनाई गई है . इसमें कालू मदारी कविता पर मदारी को काले भालू को डमरू की धुन पर नाचता हुआ दिखाया गया है . दूसरी झांकी में वट सावित्री व्रत की महिमा बताई गई है . तीसरी झांकी में रामायण का दृश्य दिखाया है . इसमें केवट निषादराज की दुविधा और राम के प्रति भक्ति को दिखाया है . समित अध्यक्ष कैलाश कुशवाह और प्रधानमंत्री राजेंद्र मरमट .

होप (भंडारी) मिल

मिल की झांकियों का यह 76वां वर्ष है . इसमें 2 झांकियों का निर्माण किया गया है . इसमें एक झांकी गणेश जी की बारात पर आधारित है . इसमें शिव, माता पार्वती और नारद मुनि को भी दिखाया है . दूसरी झांकी गंगा के पृथ्वी अवतरण पर आधारित है . इसमें भगीरथ गंगा को पृथ्वी पर लाने के लिए तपस्तया करते दिखाई देंगे . समिति सदस्य है श्यामसुंदर यादव .

महाकुंभ कार्यों में गुणवत्ता से समझौता नहीं, तकनीकी अड़चनें होंगी दूर

- सिंहस्थ-2028 के समय पर पूरे होंगे निर्माण कार्य
- सिंहस्थ मेला अधिकारी ने दिए सख्त निर्देश
- रोपवे से पुल तक फोरलेन बनेगा

नवभारत न्यूज

उज्जैन. सिंहस्थ-2028 की भव्य तैयारियों को लेकर शुक्रवार को मेला अधिकारी आशीष सिंह ने विभिन्न विभागों की बैठक लेकर निर्माण कार्यों की समीक्षा की. बैठक में उन्होंने स्पष्ट कहा कि निर्माण कार्यों को तय समयसीमा में पूरा किया जाए और गुणवत्ता से कोई समझौता न हो.

मेला अधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन परियोजनाओं में तकनीकी अथवा अन्य बाधाएं सामने आ रही हैं, उनका निराकरण आपसी समन्वय और वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा कर तत्काल किया जाए. उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी स्थिति में कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी.

रेलवे अफसर ने दिया भरोसा

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने भी विभिन्न परियोजनाओं की जानकारी दी और विभागीय अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए . रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी के .एल . मीणा ने भरोसा दिलाया कि रेलवे से जुड़ी सभी तकनीकी समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जाएगा .

परियोजनाओं पर एक नजर

प्रमुख परियोजनाओं जैसे रेलवे स्टेशन से महाकाल मंदिर तक रोपवे, खान डायवर्जन क्लोज डक्ट, सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी परियोजना, जयसिंहपुरा रेलवे अंडरपास, सिंधी कॉलोनी से हरिफाटक ब्रिज तक चौड़ीकरण, इंदिरा गांधी चौराहा से चामुंडा माता चौराहा के बीच समानांतर आरओबी, लालपुर डाउनस्ट्रीम पर क्षिप्रा नदी पर फोरलेन पुल सहित अन्य विकास कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई.

रेलवे से तालमेल

नगर निगम अधिकारियों को मेला अधिकारी ने विशेष रूप से निर्देशित किया कि वे माइक्रो प्लानिंग तैयार कर निर्माण कार्य समय पर पूर्ण कराएं. रेलवे विभाग से बेहतर तालमेल के लिए दो नोडल अधिकारियों की नियुक्ति करने को भी कहा गया, ताकि समय-समय पर रेलवे संबंधी तकनीकी समस्याओं का समाधान शीघ्र हो सके.

इनका कहना...

सिंहस्थ-2028 केवल उज्जैन का नहीं, बल्कि पूरे देश का गौरव है . ऐसे में हम सभी की जिम्मेदारी है कि समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्यों से इस महाकुंभ को ऐतिहासिक बनाया जाए .

- आशीष सिंह, सिंहस्थ मेला अधिकारी उज्जैन

ये रहे मौजूद

बैठक में पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा, नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा, वरिष्ठ अधिकारी विवेक ढांड सहित संबंधित विभागों और रेलवे के अधिकारी उपस्थित रहे.

होप टेक्सटाइल मिल प्रकरण में सरकार की बड़ी जीत

नवभारत न्यूज

इंदौर,05 सितम्बर. होप टेक्सटाइल मिल मामले में गुरुवार को सरकार को बड़ी राहत मिली. उच्च न्यायालय खंडपीठ इंदौर ने मिल प्रबंधन द्वारा दायर की गई याचिका को खारिज करते हुए साफ किया कि उपलब्ध वैधानिक उपायों को दरकिनार कर सीधे अदालत का रुख करना विधिसम्मत नहीं है. इस फैसले से कलेक्टर इंदौर का आदेश पूरी तरह प्रभावी रहेगा. मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति प्रणय वर्मा की पीठ में हुई .

सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता आनंद सोनी ने विस्तृत तर्क प्रस्तुत किए . उन्होंने न्यायालय को बताया कि याचिकाकर्ता के पास वैधानिक रूप से वैकल्पिक उपाय मौजूद हैं, ऐसे में सीधे उच्च न्यायालय में याचिका दायर करना उचित नहीं है . न्यायालय ने सोनी के तर्कों से सहमति जताते हुए स्पष्ट किया कि यह याचिका प्रचलन योग्य नहीं है . परिणामस्वरूप अदालत ने मिल प्रबंधन की याचिका निरस्त कर दी . इस आदेश से सरकार को महत्वपूर्ण राहत मिली है और कलेक्टर इंदौर द्वारा पारित आदेश अब पूरी तरह लागू रहेगा .

न्यायालय का यह फैसला न केवल सरकार की स्थिति को मजबूत करता है, बल्कि भविष्य के लिए भी एक अहम नज़ीर साबित होगा .

नवजातों की मौत पर कांग्रेस का हमला

विशेष संवाददाता

भोपाल,05 सितम्बर . इंदौर के महाराजा यशवंतराव अस्पताल में दो नवजात शिशुओं की चूहों के काटने से हुई मौत ने प्रदेशभर को हिला दिया है.

कांग्रेस ने इसे भाजपा सरकार की घोर लापरवाही और भ्रष्ट व्यवस्था का नतीजा बताया है. कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने कहा कि यह कोई हादसा नहीं बल्कि अपराध है. उन्होंने याद दिलाया कि अस्पताल में पहले भी कई बार चूहों और संक्रमण से जुड़ी घटनाएँ हुईं. 2015 में शवगृह में नवजात का सिर चूहों ने कुतरा, 2021 में नवजात के पैर काटे गए और 2023 में पेस्ट कंट्रोल का ठेका निजी कंपनी को दिया गया, पर काम अधूरा छोड़कर अब 11 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा रहा है.

राहुल ने घटना को सीधी हत्या बताया

नायक का आरोप है कि प्रशासन ने मौत की असली वजह छिपाई और बिना पोस्टमार्टम रिपोर्ट के ही हृदय रोग बताकर मामला दबाने की कोशिश की . जांच कमेटी के सामने भी अस्पताल में चूहे और कॉकरोच खुलेआम मिले . राहुल गांधी ने घटना को सीधी हत्या बताया और कहा कि सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को जानबूझकर निजी हाथों में सौंप दिया है, जिससे सरकारी अस्पताल गरीबों के लिए मौत के अड्डे बन गए हैं . इसी बीच, सिंगरौली की एक बैगा महिला को जननी एक्सप्रेस या एंबुलेंस न मिलने पर बारिश में सड़क पर प्रसव करना पड़ा, जिससे जच्चा-बच्चा की हालत बिगड़ गई . कांग्रेस ने इसे भाजपा राज की असलियत बताया .

ओबीसी आरक्षण पर भाजपा को पटवारी ने घेरा

विशेष संवाददाता

भोपाल,05 सितम्बर. मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर भाजपा सरकार पर ओबीसी आरक्षण मुद्दे को लेकर दोहरा रवैया अपनाने और छात्रों को लगातार गुमराह करने का आरोप लगाया है.

पटवारी ने कहा कि मुख्यमंत्री जनता के सामने वादे करते हैं, लेकिन उनकी सरकार के कदम

बिल्कुल विपरीत दिशा में होते हैं, जिससे ओबीसी छात्र लगातार ठगे जा रहे हैं. पटवारी ने मुख्यमंत्री को याद दिलाया कि 28 अगस्त को हुई सर्वदलीय बैठक में उन्होंने स्वयं 13 प्रतिशत रोके गए आरक्षित पदों को बहाल करने का आश्वासन दिया था. उस बैठक में कांग्रेस समेत सभी विपक्षी दलों ने इस फैसले का समर्थन किया था और तत्काल नियुक्तियां देने की मांग की थी. मुख्यमंत्री ने तब वादा किया था कि दिल्ली में एडवोकेट जनरल से चर्चा कर शीघ्र निर्णय लिया जाएगा.

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशुतोष उपाध्याय द्वारा 6/54, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स, इंदौर से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि. , फिरोज गांधी प्रेस कॉम्प्लेक्स इंदौर से मुद्रित. समूह संपादक क्रांति चतुर्वेदी*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन/फैक्स- 4096718 **RNI Reg. No.7590/60**